Website:- www.dipronline.org

email:- projjn@rediffmail.com,

राजस्थान सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,झुंझुनू

बड़ों को माता-पिता व छोटों को बेटा-बेटी समझकर रोगियों का उपचार करें

- ओला

झुंझुनू, 15 अप्रेल: सहकारिता राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह ओला ने चिकित्सकों से कहा है कि अस्पताल में आने वाले रोगियों में बड़ों को माता-पिता के समान और छोटों को बेटा-बेटी के समान समझकर समर्पित भाव से उनका उपचार करें और उनके उपचार में किसी तरह की लापरवाही भी नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाला हर व्यक्ति तकलीफ में आता है। उसे संवेदनशीलता के साथ स्नेह और प्यार मिले तथा उनके साथ शालीनता से पेश आयें, ऐसा हर चिकित्सक और चिकित्सा कर्मी को करना चाहिए। वे गुरूवार को यहां राजकीय भगवान दास खेतान अस्पताल में पीने के शुद्ध ठण्डे पानी के फिलटर वाटर कूलर का उद्‌घाटन करने बाद यहां आयोजित समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब चिकित्सक चिकित्सा सेवा के पेशे में आता है तो वह समर्पित भाव से सेवा करने की शपथ लेकर अपने पेशे की शुरूआत करता है। लेकिन प्राय: देखने में आया है कि आज चिकित्सकों ने इसे व्यवसाय के रूप में अपना लिया है जो कतई उचित नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब यहां के चिकित्सकों को यहां के लोगों की सेवा करने का अवसर मिल रहा है तो वे उनकी सेवा में किसी तरह की कोई कोर कसर नहीं छोडें। उन्होंने कहा कि पैसा हर व्यक्ति कमाता है लेकिन जनसेवा के कार्यो में खर्च किया गया पैसा पुण्य की तरह काम करता है। प्यासे को ठण्डा पानी पिलाना पुण्य की श्रेणी में आता है। किसी जमाने में सेठ-साहूकार व भामाशाह राहगीरों के लिए प्याऊ लगाकर पानी पिलाने

के धर्मार्थ का कार्य करते थे। अस्पताल जैसे परिसर में ठण्डे और शुद्ध पानी का वाटर कूलर लगाकर मामचन्द नावरिया ने भी पुण्य का कार्य किया है, जो औरों के लिए प्रेरणादायी साबित होगा। उन्हांने अतीत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में भामाशाहों ने चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में अनेक अस्पताल व कॉलेज भवन तक बनाकर सरकार को दिये हैं। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करवाने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि यह अस्पताल रोगियों को सीकर के श्रीकल्याण राजकीय चिकित्सालय से अच्छी सुविधाएं व उपचार उपलब्ध करा सके, ऐसे प्रयास हम सबको मिलजुल कर करने चाहिए। उन्होंने ट्रोमा युनिट, बर्न युनिट व आई.सी.यू. सेवाओं को बेहतर ढंग से संचालित करवाने में हर स्तर पर सहयोग करवाने का आश्वासन भी दिया।

नगर परिषद के सभापति खालिद हुसैन ने भी चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों को बी.पी.एल. परिवारों की सही ढंग से देखभाल करके उपचार करने की सलाह देते हुए कहा कि जहां तक हो सके इन गरीब तबके के लोगों का उपचार झुंझुनू में ही किया जाये और जरूरत होने पर ही उन्हें जयपुर के लिए रैफर किया जाये। उप सभापति श्रीमती बिमला बेनीवाल ने भी नेक कार्यों में गाढ़े पसीने की कमाई का पैसा लगाने पर वाटर कुलर लगाने वाले भामाशाह का धन्यवाद ज्ञापित किया। अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. हनुमान सिंह शेखावत ने बताया कि अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार के बेहतर ढंग से प्रयास किये जा रहे हैं और अस्पताल के चिकित्सक बड़ों को पिता और छोटों को बेटा समझकर उपचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शहर के दानदाता गुलझारी लाल शर्मा ने आई.सी.यू. वार्ड के लिए दो-दो टन के दो ए.सी. भेंट किये हैं, जबकि काशीनाथ गाडिया द्वारा अस्पताल को 20 गद्दे भेंट किये गये हैं और शशि आप्टिकल के प्रतिनिधि ने भी पूर्व में उनके पिता की यादगार में बनायी गई प्याऊ में नया वाटर कुलर भी लगाया गया है। नया शुद्ध व ठण्डे पानी का फिलटर वाटर कुलर लगाने वाले मामचन्द नावरिया ने बताया कि इसके निर्माण पर एक लाख रूपये की लागत आई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चिकित्सक, चिकित्सा कर्मी, पंचायत समिति व जिला परिषद सदस्य तथा शहर के पार्षद गण आदि उपस्थित थे।

विभिन्न दुर्घटना में मरे व्यक्तियों के आश्रितों व घायलों

को 1.80 लाख रूपये स्वीकृत

झुंझुनू, 15 अप्रेलः जिला कलेक्टर आलोक गुप्ता ने अलग-अलग आदेश जारी करके विभिन्न दुर्घटनाओं में मरे 11 व्यक्तियों के आश्रितों व गंभीर रूप से एक घायल को एक लाख 80 हजार रूपये की आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत की है। आदेशानुसार अजाड़ी कलां के ओमप्रकाश की पत्नी मंगली देवी, देरवाला के इकराम की पत्नी दौलत, सिगड़ी ग्राम के केशरदेव की पत्नी रूकमणी, मण्ड्रेला के दीपचन्द की पत्नी सुशीला देवी, डूण्डलोद के गिरधारी लाल की पत्नी परमेश्वरी देवी, घोड़ीवारा कलां के वीरेन्द्र सिंह की पत्नी संगीता देवी, बदनगढ़ के शेर सिंह की आश्रिता जीवणी देवी व बदनगढ़ के ही राजेश के पिता लक्ष्मण सिंह को 20-20 हजार रूपये और झुंझुनू शहर के सैनिक नगर की मृतका सबीना के पिता मो. सदीक, अलसीसर के मृतक योगेन्द्र सिंह के पिता गिरधारी लाल, अलसीसर के ही मृतक कपिल की पत्नी श्रीमती तारा देवी को 5-5 हजार रूपये और गंभीर रूप से घायल खालासी के विजेन्द्र सिंह को 5 हजार रूपये की आर्थिक सहायता मंजूर की गई है।

नरेगा श्रमिकों का आज से समय बदला

झुंझुनू, 15 अप्रेलः महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के तहत राज्य में चल रहे निर्माण कार्यो का समय 16 अप्रेल से गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रातः 6 बजे से अपराह्व तीन बजे तक किया गया है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी.एम. काला ने बताया कि शुक्रवार से नरेगा श्रमिक प्रातः 6 बजे से 3 बजे तक कार्य करेंगे। इस अवधि में प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक के लिए श्रमिकों को एक घण्टे का विश्रामकाल दिया जायेगा।

समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना मई से सभी कर्मचारियों पर लागू

झुंझुनू, 15 अप्रेल: राज्य सरकार ने आगामी एक मई से राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों एवं प्रोबेशनर ट्रेनिज समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना अनिवार्य रूप से लागू की है। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के उप निदेशक योगमित्र दिनकर ने बताया कि जिले के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के माह अप्रेल के वेतन (जो मई में देय होगा) से प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष 220 रूपये एवं 10.03 प्रतिशत सेवा कर एक मुश्त प्रीमियम काटा जायेगा।

विभाग के पर्यवेक्षक ख्वाजा आरिफ ने बताया कि प्रथम बार स्थानान्तरण एवं वर्ष 2006 में भरे गये प्रस्ताव पत्र में मनोनीत बदलने की स्थिति में पुनः प्रस्ताव (मनोनयन) पत्र भरा जायेगा अन्यथा वर्ष 2006 के लिए भरा गया प्रस्ताव पत्र मान्य होगा। जिन कार्मिकों का वेतन आगामी एक मई को आहरित नहीं किया जा रहा है, वे निजी स्तर से निर्धारित प्रीमियम डी.डी. द्वारा राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग (साधारण बीमा) के निदेशक जयपुर को प्रीमियम राशि भिजवा सकते हैं।

अकाल व गर्मी के मौसम में चिकित्सा कर्मी ड्यूटी मुख्यालय पर रहें

- मीणा

झुंझुनू, 15 अप्रेल: अपर कलेक्टर के.एल. मीणा ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से कहा है कि एन.आर.एच.एम. योजना में नियुक्त कार्मिकों की शत प्रतिशत उपस्थिति ड्यूटी मुख्यालय पर सुनिश्चित की जाये और सभी चिकित्सक व चिकित्सा कर्मी अकाल एवं गर्मी के मौसम के दौरान अपने ड्यूटी मुख्यालय पर ही उपस्थित रहें। जो कार्मिक ड्यूटी मुख्यालय पर नहीं रहेंगे उनकी जांच शीघ्र ही राजस्व अधिकारियों से करवाकर उनके विरूद्ध विभागीय

कार्रवाई अमल में लाई जायेगी और ऐसे कार्मिकों को जिला बदर भी किया जा सकता है। वे गुरूवार को जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला मेडिकेयर रिलिफ सोसासटी, जिला अंधता तथा जिला कुष्ठ रोग निवारण समिति की बैठकों में बोल रहे थे।

उन्होंने संस्थागत प्रसव पर विशेष ध्यान देने और आवंटित लक्ष्यों को अभी से पूरा करने के निर्देश देते हुए बर्फ फैक्ट्रियों के नमूने लेने की हिदायत भी दी है। उन्होंने कहा कि कुछ चिकित्सक एन.आर.एच.एम. योजना में पद स्थापित कार्मिकों की अवधि बढ़ाने के लिए अनुशंसा भिजवा रहे हैं,लेकिन इनमें कुछ कर्मचारी ऐसे भी हैं जो नौकरी छोड़कर अन्यत्र चले गये हैं। चिकित्सकों को रिपोर्ट भेजने से पहले पूरी छानबीन के बाद ही वस्तु स्थिति से अवगत कराना चाहिए। गलत रिपोर्ट भेजने वाले चिकित्सकों के विरूद्ध भी 17 सी.सी.ए. की कार्रवाई की जायेगी। अभी भी चिकित्सा सेवाओं में काफी सुधार की गुंजाईश है। उन्होंने कहा कि अनुशासनहीनता को किसी भी हाल में बदार्शत नहीं किया जायेगा। जो चिकित्सक दिये गये निर्देशों की पालना नहीं करेंगे उनके संबंध में सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी से रिपोर्ट लेकर उनके विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए संबंधित को कहा जाएगा।

बैठक में मौसमी बीमारियों, पानी के नमूनों, सुरक्षा गार्डो का वेतन बढ़ाने, भगवान दास खेतान अस्पताल के आई.सी.यू. वार्ड में ए.सी. लगाने, अस्पताल में की जाने वाली जांच को बाहर नहीं करवाने, नकली दवाओं की जांच करने और जैनेरिक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा एक बार कार्मिकों को सुधरने का अवसर देने आदि पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में परिवार कल्याण व टीकाकरण के लक्ष्यों की उपलब्धि पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। सभी ब्लॉक सी.एम.एच.ओ. ने ब्लॉक वार अनुपस्थित रहने वाले डाक्टरों व चिकित्सा कर्मियों की विरूद्ध जारी किये गये कारण बताओ नोटिस की जानकारी भी प्रस्तुत की। बैठक में प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. हनुमान सिंह शेखावत ने अस्पताल परिसर में चिकित्सा सेवाओं व अन्य सेवाओं में किये जा रहे सुधार पर विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की।